

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्रसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 155]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 27, 1973/आषाढ़ 6, 1895

No. 155]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 1973/ASADHA 6, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June 1973

No. IV-14015/29/73-NID(E).—The President has learnt with deep regret of the death of Shrimati Devaki Gopidas, Commissioner for Linguistic Minorities in India, in an air crash near Delhi on Thursday, the 31st May, 1973.

In the premature death of Shrimati Devaki Gopidas, the nation has lost an energetic, conscientious and dedicated worker.

Born in 1918 at Kallikatt, Karappazha, Kottayam (Kerala State), Shrimati Gopidas had her education in Trivandrum, Madras and Calcutta Universities. Even as a student she took keen interest in politics. After passing the Bar Council Examination from Trivandrum, she was enrolled as an advocate of the then Travancore High Court in 1947. She became a Member of the Travancore Legislative Assembly in 1958 and later of the Travancore-Cochin and Kerala Legislative Assemblies. She was closely associated with a large number of social organisations and educational institutions. She was elected to the Rajya Sabha in April, 1962 and assumed the office of the Commissioner for Linguistic Minorities in India in August, 1971, in which capacity she served to the end.

The Government mourn the loss of a distinguished and conscientious worker and wish to place on record their appreciation of her exemplary devotion to duty. To the bereaved family, they offer their heartfelt condolences.

ASOKA SEN, Special Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली. 27 जून, 1973

संख्या IV-14015/29/73-एम०आई०डी०(ई).—राष्ट्रपति को, दिल्ली के पास 31 मई, 1973 को हुई विमान दुर्घटना में, भारत के भाषाजात अल्प संख्यकों की आयुक्त श्रीमती देवकी गोपीदास की मृत्यु के समाचार से अत्यन्त दुःख हुआ है।

श्रीमती देवकी गोपीदास की अकाल मृत्यु में राष्ट्र ने एक कर्मठ, विवेकशील तथा निष्ठावान कार्यकर्ता खो दिया है।

श्रीमती गोपीदास का जन्म कालीकट, करप्पाजा, कोटायाम (केरल राज्य) में 1918 में हुआ था। आपकी शिक्षा त्रिवेन्द्रम, मद्रास और कलकत्ता विश्वविद्यालयों में हुई। आपने अपने विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति में गहरी रुचि ली। आप त्रिवेन्द्रम से वार काउंसिल की परीक्षा पास करने के पश्चात् 1947 में तत्कालीन त्रावनकोर उच्च न्यायालय में एडवोकेट बनीं। आप 1958 में त्रावनकोर विधान सभा की सदस्या बनीं। तथा बाद में त्रावनकोर-कोचीन तथा केरल विधान सभाओं की सदस्या रहीं। आप बहुत से सामाजिक संगठनों तथा शिक्षण संस्थाओं से निकट रूप से सम्बद्ध रहीं। आप अप्रैल, 1962 में राज्य सभा की सदस्या चुनी गईं तथा आपने अगस्त, 1971 में भारत के भाषाजात अल्प संख्यकों की आयुक्त के पद का कार्य-भार सम्भाला जिस पद पर आप अन्त समय तक रहीं।

भारत सरकार आप जैसी प्रख्यात एवं विवेकशील कार्यकर्ता के अवसान पर शोक प्रकट करती है तथा आपकी अनुकरणीय कर्तव्य निष्ठा के प्रति अपनी मराहता व्यक्त करती है। शोक संतप्त परिवार के प्रति भारत सरकार हार्दिक समवेदना प्रकट करती है।

अशोक सेन, विशेष सचिव।